



## राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति

### प्रलिस के लयल:

भारत में आत्महत्या की स्थतल, राष्ट्रीय अपराध रकॉर्ड ब्यूरो, भारत में आकस्मकल मृत्यु और आत्महत्या रपॉर्ट

### मेन्स के लयल:

राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीतल, भारत में आत्महत्याओं की स्थतल, राष्ट्रीय अपराध रकॉर्ड ब्यूरो, भारत में आकस्मकल मृत्यु और आत्महत्या रपॉर्ट

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत सरकार के स्वास्थ्य और परवलर कल्याण मंत्रालय ने "राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीतल" की घोषणा की है।

- यह देश में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है, जसमें वर्ष 2030 तक आत्महत्या मृत्यु दर में 10% की कमी लाने के लयल समयबद्ध कार्ययोजना और बहु-कषेत्रीय सहयोग शामिल है।
- यह रणनीतल आत्महत्या की रोकथाम के लयल [वशिव स्वास्थ्य संगठन \(WHO\)](#) की दक्षण-पूरव एशया कषेत्र रणनीतल के अनुरूप है।

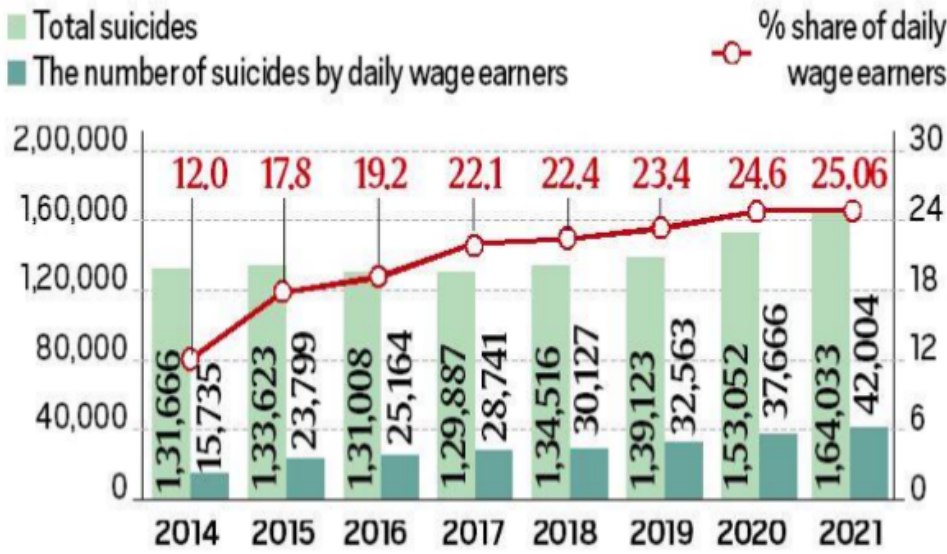
## राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीतल:

- यह रणनीतल भोटे तौर पर अगले तीन वर्षों के भीतर आत्महत्या के लयल प्रभावी नगरानी तंत्र स्थापतल करने का प्रयास करती है।
- यह मनोरोग बाह्य रोगी वभलग स्थापतल करेगा जो अगले पाँच वर्षों के भीतर सभल जलल में जलल मानसकल स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से आत्महत्या रोकथाम सेवाएँ प्रदान करेगा।
- इसका उददेश्य अगले आठ वर्षों के भीतर सभल शैक्षणकल संस्थानों में मानसकल कल्याण पाठ्यक्रम को एकीकृत करना है।
- यह जमिंदार मीडया रपॉर्टलंग और आत्महत्या के साधनों तक पहुँच को प्रतलबधतल करने हेतु दशल-नरदेश वकसतल कर आत्महत्याओं को रोकने की परकलपना करता है।

## भारत में आत्महत्याओं की स्थतल:

- **राष्ट्रीय आँकडे:**
  - भारत में आत्महत्या के कारण प्रतलवर्ष एक लाख से अधकल जाने जाती हैं और यह 15-29 आयु वर्ग में सबसे अधकल है।
  - वर्ष 2019-22 में आत्महत्या की दर प्रतल 1,00,000 आबादी पर 10.2 से बढ़कर 11.3 हो गई है।
  - हाल ही में [राष्ट्रीय अपराध रकॉर्ड ब्यूरो \(NCRB\)](#) ने "भारत में आकस्मकल मृत्यु और आत्महत्या रपॉर्ट 2021" जारी की है। रपॉर्ट में "महललाओं के खललाफ अपराध", "आत्महत्या" और "अपराध दर" के आँकडे दयल गए हैं।
- **दैनकल वेतनभोगी:**
  - वर्ष 2021 में आत्महत्या पीड़तल के बीच दैनकल वेतनभोगी सबसे बड़ा पेशेवर समूह बना रहा, जो 42,004 आत्महत्याओं (25.6%) के लयल जमिंदार है।
  - आत्महत्या से दहलड़ी मज़दूरों की मृत्यु का हससा पहली बार चतुरथांश आँकडे को पार कर गया है।
  - राष्ट्रीय स्तर पर आत्महत्याओं की संख्या में वर्ष 2020 से वर्ष 2021 तक 7.17% की वृद्धल हुई।
    - हालाँकल इस अवधा के दौरान दैनकल वेतनभोगी समूह में आत्महत्या करने वालों की संख्या में 11.52% की वृद्धल हुई।

# RISING SUICIDE RATE OF DAILY WAGE WORKERS



## ■ कृषि क्षेत्र:

○ कुल दर्ज आत्महत्याओं में "कृषि क्षेत्र में लगे व्यक्तियों" की कुल हस्सेदारी वर्ष 2021 के दौरान 6.6% थी।

## ■ व्यवसाय के अनुसार वितरण:

○ उच्चतम वृद्धि "स्व-नियोजित व्यक्तियों" द्वारा दर्ज की गई जो कि 16.73% थी।

○ **"बेरोज़गार व्यक्तियों"** का समूह एकमात्र ऐसा समूह था जिसने आत्महत्याओं में गतिवट दर्ज की, जो वर्ष 2020 में 15,652 से 12.38% घटकर वर्ष 2021 में 13,714 हो गई।

Profession category	2020	2021	% Share in total Suicides in 2021	% Increase in suicides during 2021
Daily Wage Earner	37666	42004	25.6	11.52
Other Persons	20543	23547	14.4	14.62
House wife	22374	23179	14.1	3.60
Self Employed Persons	17332	20231	12.3	16.73
Professional/Salaried Persons	14825	15870	9.7	7.05
Unemployed Persons	15652	13714	8.4	-12.38
Students	12526	13089	8	4.49
Persons Engaged in Farming Sector	10677	10881	6.6	1.91
Retired Persons	1457	1518	0.9	4.19
Total	153052	164033	100	7.17

## ■ आत्महत्या का कारण:

○ 32.2%: पारिवारिक समस्याओं के कारण (विविध से संबंधित समस्याओं के अलावा)।

○ 4.8%: विवाह से संबंधित समस्याओं के कारण।

○ 18.6%: बीमारी की समस्याओं के कारण।

## ■ राज्य:

○ वर्ष 2021 में रिपोर्ट की गई आत्महत्याओं की संख्या के मामले में महाराष्ट्र देश में सबसे ऊपर है, इसके बाद तमिलनाडु और मध्य प्रदेश हैं।

○ वर्ष 2021 में देश भर में दर्ज आत्महत्याओं की कुल संख्या में महाराष्ट्र का योगदान 13.5% था।

## ■ केंद्रशासित प्रदेश:

○ दिल्ली में सबसे अधिक 2,840 आत्महत्याएँ दर्ज की गईं।

## आत्महत्याओं को कम करने के लिये भारत की क्या पहल है?

### ■ मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017:

○ MHA 2017 का उद्देश्य मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों के लिये मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना है।

■ **करिण:**

- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने चिंता, तनाव, अवसाद, आत्महत्या के वधिरों और अन्य मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं का सामना करने वाले लोगों को सहायता प्रदान करने के लिये 24/7 टोल-फ्री हेल्पलाइन "**करिण (KIRAN)**" शुरू की है।

■ **मनोदरपण पहल:**

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD) (अब शिक्षा मंत्रालय) ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत **मनोदरपण पहल** लॉन्च की। इसका उद्देश्य छात्रों, परिवार के सदस्यों और शिक्षकों को कोविड-19 के समय में उनके मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिये मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना है।

## राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB):

- NCRB, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है, की स्थापना वर्ष 1986 में **गृह मंत्रालय** के तहत **अपराध और अपराधियों संबंधी सूचना के भंडार के रूप में कार्य करने के लिये** की गई थी ताकि अपराधियों के जाँचकर्ताओं को अपराध एवं अपराधी की कड़ी को समझने में सहायता मिल सके।
- इसकी स्थापना **राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981)** और **गृह मंत्रालय की टास्क फोर्स (1985)** की सिफारिशों के आधार पर की गई थी।
- **NCRB देश भर में अपराध का वसितुत वार्षिक आँकड़ा** ('भारत में अपराध' रिपोर्ट) प्रकाशित करता है।
  - वर्ष 1953 से प्रकाशित होने के बाद यह रिपोर्ट देश भर में कानून और व्यवस्था की स्थिति को समझने में एक महत्त्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य करती है।

## स्रोत: द द्रिष्टि

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/national-suicide-prevention-strategy>

